वन उत्पादकता संस्थान, रांची
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून)
पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत

बिरसा मुण्डा जयंती समारोह

दिनांक 15.11.2021

प्रधानमंत्री के आह्वान पर एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के निर्देश पर वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा दिनांक 15.11.2021 को आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भग्वान बिरसा मुण्डा को श्रद्धांजलि देकर नमन करने एवं उनके आदर्शों को जन-जन तक पहूंचाने हेतु एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि के रुप में भारतीय प्रशासनिक सेवा के श्री अजय नाथ झा अपर सचिव कल्याण विभाग, झारखंड सरकार, सरकार के प्रतिनिधि के रुप में उपस्थित रहें। भौतिक एवं आभासीय मंच द्वारा कोविड-19 के निर्देशों का पालन करते हुए आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के समस्त कर्मचारियों एवं विभिन्न केंद्र के कर्मचारियों सहित भारतीय वानिकी एवं शिक्षा परिषद के सदस्यों ने भी ब हाग लिया।

श्री करम सिंह मुण्डा के संचालन में अतिथियों के स्वागतोपरांत मुख्य अतिथि , निदेशक, समूह समन्वयक अनुसंधान एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया एवं भग्वान बिरसा मुण्डा के चित्र माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हे नमन किया गया। निदेशक द्वारा मुख्य अतिथि को तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।

संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं समूह समन्वयक अनुसंधान डा. योगेश्वर मिश्रा ने आज के दिन को अति विशिष्ट बताते हुए केंद्र सरकार की इस पहल की सराहना की। स्वतंत्रता आंदोलनकर्मियों क जिक्र करते हुए जनजातियों में क्रांति की ज्वाला जलाने वाले भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन की घटनाओं को जोड़ते हुए कई अनछुए पहलुओं को सामने लाया एवं बताया कि भगवान बिरसा मुण्डा ने मुण्डा विद्रोह को एक नया रुप दिया। उन्होने बिरसा मुण्डा द्वारा उठाए गए तीन कदमों, शिक्षा और धर्म परिवर्तन, खुटकट्ठी पर लगान तथा आकाल में समाज

के लिए समर्पित भाव से सेवा एवं अंग्रेजों से विद्रोह की विस्तार से चर्चा की। महाश्वेता देवी द्वारा बिरसा मुण्डा का वर्णन एवं कास्तकारी अधिनियम की भी चर्चा की।

कार्यक्रम में सुश्री मीनाक्षी कुमारी, श्री मुकेश कुमार, श्रीमती रुबी सुसाना कुजूर, संजय पाल कुजूर, अभिमन्यु गौड़ एवं श्रीमती एरम एहसान ने भी बिरसा मुण्डा के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला।

संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विभिन्न कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा निर्देशित यह मंच पिछले गौरव को याद करते हुए अपने दैनिक कार्यों को इससे जोड़कर देखने और करने का मौका प्रदान करता है। उन्होने इतिहास के अनेकों स्वतंत्रता सेनानियों को भी याद किया जिनकी कोई इतिहास नहीं बन पाई लेकिन उनका योगदान भी किसी से कम नही रहा और उन्हे भी श्रद्धासुमन अर्पित किया। डा. कुलकर्णी ने संस्थान के कार्यों की चर्चा करते हुए इसे भग़वान बिरसा मुण्डा के आदर्शों से जोड़कर आगे बढ़ाने में संस्थान की भुमिका से भी मुख्य अतिथि को अवगत कराया। प्रदर्शन ग्राम, वन विज्ञान केंद्र आदि के माध्यम से संस्थान द्वारा जनजातियों के जीविकोपार्जन के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी चर्चा की। कृषि वानिकी वनोत्पाद, मुल्यवर्धन, बांस कारीगरी आदि ऐसे कार्यों का विस्तार किया जा रहा है जिसे जनजाति लोग सहजता से ग्रहण कर सके। डा. कुलकर्णी ने बिरसा मुण्डा द्वारा अल्पावधि के जीवन काल में किए गए कार्यों की चर्चा करते हुए बताया कि विदेशी शासन, धार्मिक दलालों की कुढ़न, शिक्षा में भेदभाव, खुटकटी जमीन पर लगे लगान आदि कुप्रथा एवं दमन ने बिरसा मुण्डा के खून में उबाल भर दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अजय नाथ झा, भा.प्र.से. एवं अपर सचिव, कल्याण विभाग, झारखंड सरकार ने बिरसा मुण्डा के जन्मदिन, झारखंड की स्थापना दिवस और नेतरहाट विद्यालय की स्थापना को एक ही दिन 15 नवम्बर को जोड़कर विस्तार से उसको परिभाषित किया। धरती आबा की व्याख्या करते हुए उन्होने प्रकृति संरक्षण को नए सिरे से परिभाषित किया। जंगल की महत्ता और उसकी सुरक्षा के लिए बिरसा मुण्डा के आदर्श युगों-युगों तक प्रासंगिक रहेगा की चर्चा करते हुए उन्होने भावी दो पीढ़ियों के लिए अपने आपको तैयार करने की अपील निर्माण की ओर बढ़ रहे भारत को एक स्वतंत्र देश की कल्पना की जा सकती है। उन्होने काम को घन्टों में बांटने का भी विरोध किया एवं बताया कि देश हित में समस्त मानव का कार्य देश निर्माण में सहायक है। उन्होने बताया कि निर्माण की प्रक्रिया से गुजर रहे भारत को सुदृढ़ बनाने के लिए धरती आबा बनने की आवश्यकता है। व्यवस्था के साथ मिलकर विकास के रास्ते को

बनाए रखना है। डा. योगेश्वर मिश्रा द्वारा उठाए शंका पर चर्चा करते हुए उन्होने बिरसा हरित ग्राम योजना की क्रियान्वित किए जाने का आश्वासन दिया।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए करम सिंह मुण्डा ने बिरसा मुण्डा-धरती आबा की मूल भावनाओं को मंच पर रखने के लिए श्री अजय नाथ झा का विशेष धन्यवाद दिया तथा कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री शम्भुनाथ मिश्रा, श्री एस.एन.वैद्य, श्री निसार आलम, श्री बी.डी.पंडित, श्री सुशीत बैनर्जी, श्री सूरज कुमार, श्री बसंत कुमार, श्री करम सिंह मुण्डा एवं अन्य की भूमिका सराहनीय रही।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

â › द्धस्ट\ : द्धमाा‹ : द्य, »ई › द्धसमम

â › द्धट\ : द्धा‹ : द्ग़ » ई › द्धम

← Tweet

MoEF&CC
@moefcc

वन उत्पादकता संस्थान,रांची (@ifpranchi1) द्वारा #आजादीकाअमृतमहोत्सव कार्यक्रम के तहत 15.11.2021 को #बिरसा_मुंडा_जयंती समारोह का आयोजन किया जिसमें अजय नाथ झा,अपर सचिव,कल्याण विभाग,झारखंड सरकार मुख्य अतिथि रहे। @icfreIndia

,

Twitter 15.11.2021

Facebook 15.11.2021

वन उत्पादकता संस्थान में मनी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

रांएसं

पिस्का नगड़ी : वन उत्पादकता संस्थान में बिरसा जयंती समारोह का आयोजन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार तथा भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद् भारत सरकार के तत्वावधान में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार के अपर सचिव अजय नाथ झा ने झारखण्ड सरकार का प्रतिनिधित्व किया। अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन तथा भगवान बिरसा मुण्डा के चित्र पर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मुख्य अतिथि श्री झा ने अपने संबोधन में कहा कि बिरसा मुण्डा के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर जो सम्मान दिया गया है यह एक स्वागत योग्य कदम है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. कुलकर्णी ने कार्यक्रम के विषय में वर्णन किया। डॉ. योगेश्वर मिश्रा ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट में प्रस्ताव पारित कर भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती 15 नवम्बर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत संस्थान में 15 से 22 नवम्बर तक कई कार्यक्रम किए जायेंगे। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन करम सिंह मुण्डा ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. शम्भू नाथ मिश्रा, सचिदानंद वैद्य, निशार आलम, सूरज कुमार, बसंत कुमार, सुशीत बनर्जी, महेश कुमार तथा अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

«दृष्टि ^• ढ़ध्य, 16.11.2021

वन उत्पादकता संस्थान में बिरसा जयंती समारोह आयोजित

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

पिस्का नगड़ी : वन उत्पादकता संस्थान में बिरसा जयंती समारोह का आयोजन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार तथा भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद् भारत सरकार के तत्वावधान में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार के अपर सचिव अजय नाथ झा ने झारखण्ड सरकार का प्रतिनिधित्व किया। अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन तथा भगवान बिरसा मुण्डा के चित्र पर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मुख्य अतिथि श्री झा ने अपने संबोधन में कहा कि बिरसा मुण्डा के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर जो सम्मान दिया गया है यह एक स्वागत योग्य कदम है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. कुलकर्णी ने कार्यक्रम के विषय में वर्णन किया।

डॉ. योगेश्वर मिश्रा ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट में प्रस्ताव पारित कर भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती 15 नवम्बर को ह्यजनजातीय गौरव दिवसह्न के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत संस्थान में 15 से 22 नवम्बर तक कई कार्यक्रम किए जायेंगे। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन करम सिंह मुण्डा ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डा. शम्भू नाथ मिश्रा, सचिदानंद वैद्य, निशार आलम, सूरज कुमार, बसंत कुमार, सुशीत बनर्जी, महेश कुमार तथा अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

16.11.2021